जीवन–वृत्त

1. नाम — प्रो०हरिशंकर पाण्डेय
2. पिता का नाम — श्री स्व० डॉ० शिवदत्त पाण्डेय
3. जन्मतिथि : 20 फरवरी, 1963 ई०
4. स्थायी पता : ग्राम+पो०– नारायणपुर
जिला–भोजपुर (बिहार) 802201
5. पत्राचार का पता — विभागाध्यक्ष, प्राकृत एवं जैनागम, सम्पूर्णानन्दसंस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
6. वर्तमान पद — आचार्य (प्रोफेसर) एवं अध्यक्ष, प्राकृत एवं जैनागम विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

क्र० सं०	परीक्षा का नाम	वर्ष	बोर्ड / वि०वि०	श्रेणी	प्रतिशत
1.	स्नातक–प्रतिष्ठा (संस्कृत)	1981	मगध विश्वविद्यालय	प्रथम	64
2.	स्नातकोत्तर (संस्कृत)	1983	मगध विश्वविद्यालय	प्रथम में प्रथम	69
3.	स्नातकोत्तर (प्राकृत)	1987	मगध विश्वविद्यालय	प्रथम (वरेण्य)	79
4.	जे०आर०एफ० (नेट)	1986	मगध विश्वविद्यालय	उत्तीर्ण	
5.	पी०एच०डी०	1990	मगध विश्वविद्यालय	उत्तीर्ण	
6.	डी०लिट् विषय–जैन अर्द्धमागधी आगमों की साहित्य शास्त्रीय समीक्षा	2007	मगध विश्वविद्यालय	उत्तीर्ण	

8. पुरस्कार, सम्मान एवं विशिष्ट छात्रवृत्तियाँ
   1. 9वीं यू.जी.सी. राष्ट्रीय शोध पुरस्कार 'जैनागमों में भारतीय कला' 2002–2005
   2. आचार्य महाप्रज्ञ साहित्य पुरस्कार 2006
   3. एम.ए. संस्कृत में स्वर्ण पदक 1983 ई०
   4. एम.ए. प्राकृत 1987 में वरेण्य अंक 79%
   5. यू.जी.सी. जे.आर.एफ. (नेट) की परीक्षा उत्तीर्ण 1986 ई०
   6. एम.ए. संस्कृत 1981–83 में राष्ट्रीय मेधावित्त वृत्ति
   7. चार आर मेजर प्रोजेक्ट एवार्ड–यू.जी.सी. द्वारा प्राप्त हुआ।
   8. 24 जनवरी 2012 को श्रेष्ठ मतदाता जागरुकता अभियान के लिए लखनऊ में महामहिम राज्यपाल द्वारा सम्मानित।
   9. 24 जनवरी 2013 को उत्तर प्रदेश मुख्य चुनाव अधिकारी द्वारा मतदाता जागरुकता के लिए श्रेष्ठसमन्वयक के रूप में सम्मानित।

9. विशिष्ट पद एवं कार्य

1. 24 सितम्बर 2013 से सितम्बर 2016 तक संकायाध्यक्ष, श्रमण विद्या संकाय।
2. 28 मार्च, 2003 से 23 जनवरी, 2005 तक जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं, प्राकृत एवं जैनागम विभाग का अध्यक्ष
3. 24 जनवरी 2005 से जुलाई 2008 तक सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के अन्तर्गत प्राकृत एवं जैनागम विभाग में अध्यक्ष। दि0 05.7.2011 से एवं दि0 10.07.2017 से पुनः अध्यक्ष।
4. 24 सितम्बर 2013 से जैनदर्शन, बौद्धदर्शन एवं संस्कृतविद्या विभाग के भी अध्यक्ष रहे।
5. सहायक छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष दिसम्बर 2006 तक
6. राष्ट्रीय सेवायोजना 2006–2009 कार्यक्रम अधिकारी, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
7. 25 फरवरी 2007 से विश्वविद्यालय में आचार्य पद।
8. मार्च 2010 से नव0 2016 तक एन.एस.एस. कार्यक्रम–समन्वयक
9. रेडरिबन क्लब का विश्वविद्यालय–समन्वयक – 2010–2016 तक
10. 2012 में विश्वविद्यालय छात्रसंघ कोषाध्यक्ष
11. छात्रसंघ चुनाव अधिकारी 2013
12. छात्रसंघ चुनाव अधिकारी 2017

10. प्रशासनिक अनुभव–

1. 24 सितम्बर 2013 से 23 सितम्बर 2016 श्रमण विद्या संकायाध्यक्ष
2. 24 सितम्बर से प्राकृत एवं जैनागम विभाग के साथ–साथ संस्कृत विद्या एवं जैनदर्शन के विभागाध्यक्ष।
3. विश्वविद्यालय छात्रसंघ कोषाध्यक्ष 2012.
4. 5.7.2011 एवं 2017 से प्राकृत एवं जैनागम विभाग (सं.सं.वि.वि.) का विभागाध्यक्ष।
5. रेडरिबन क्लब का समन्वयक– 2010–2016 तक
6. मार्च 2010 से 2016 तक राष्ट्रीय सेवा योजना का कार्यक्रम–समन्वयक।
7. दिसम्बर 2006 से 2009 तक सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवायोजना में कार्यक्रम अधिकारी।
8. 24 जनवरी 2005 से जुलाई 2008 तक सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के अन्तर्गत प्राकृत एवं जैनागम विभाग के अध्यक्ष रूप में कार्य सम्पन्न। पुनः 2011 एवं 2017 से विभागाध्यक्ष।
9. 28 मार्च 2003 से 23 जनवरी 2005 तक जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय, लाडनूं (राजस्थान) के प्राकृत एवं जैनागम विभाग के अध्यक्ष के रूप में कार्य सम्पन्न।

11. विभिन्न संगोष्ठियों एवं सेमिनारों का संयोजन/आयोजन

1. 1–3 नवम्बर, 1998 को सरदार शहर में आचार्य महाप्रज्ञ का संस्कृत साहित्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।
2. 28–30 मार्च 2000 ई0 को चूरू (राज.) में आचार्य तुलसी एवं आचार्य महाप्रज्ञ का भारतीय विद्या को अवदान विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, संयोजन।
3. 17–19 फरवरी, 2002 को जैन विश्वभारती, लाडनूं में जैन अर्द्धमागधी आगम साहित्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का संयोजन।
4. 1–21 दिसम्बर 2004 तक जैन विश्वभारती संस्थान में प्राकृत, पाली, संस्कृत एवं जैनदर्शन में समन्वित रूप से आयोजित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का संयोजन।
5. 5–6 दिसम्बर 2010 को दो दिवसीय एन.एस.एस. कार्यक्रमाधिकारी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन।
6. 12–16 जनवरी 2010 को युवा महोत्सव का आयोजन।
7. 12–16 जनवरी 2011 को युवा महोत्सव का आयोजन।
8. अनेक मतदाता जागरुकता अभियान 2012 में अनेक सेमिनार एवं कार्यक्रमों का आयोजन।
9. 11.11.11. को यू.पी. कॉलेज सभागार में जिला प्रशासन एवं विश्वविद्यालय का आयोजन।
10. 19–21जनवरी 2012 मतदाता जागरुकता अभियान में विविध कार्यक्रम विभिन्न आयोजन।
11. 2013 में मतदाता जागरुकता का पूरे वर्ष आयोजन, विभिन्न कार्यक्रम।
12. राष्ट्रीय संगोष्ठी– प्राकृत एवं प्राच्य विद्या में जीवन मूल्य 12–13 मार्च, 2012.
13. राष्ट्रीय संगोष्ठी– 12.4.2014 आधुनिक युग में भगवान महावीर के सिद्धांतों की उपयोगिता।
14. प्राचीन शास्त्रों में गंगा–राष्ट्रीय संगोष्ठी 18.7.2014
15. राष्ट्रीय संगोष्ठी–01.4.2015 आधुनिक युग में भगवान महावीर की प्रासंगिता।
16. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सेमिनार–वैश्विक शास्त्रों में योग 21.6.2015.
17. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सेमिनार–आधुनिक जीवन में योग की महत्ता– 21.6.2015.
18. 17.8.2016 को जरा याद करो कुर्बानी– स्वतंत्रता 70 आजादी 70 पर राष्ट्रीय संगोष्ठी।

12. प्रकाशन विवरण–

1. (क) प्रकाशित ग्रन्थ– 33

1. श्रीमद्भागवत की स्तुतियों का समीक्षात्मक अध्ययन–जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, प्रथम संस्करण 1994.
2. भक्तामर संदोह– प्रज्ञा प्रकाशन, जयपुर 1996
3. सेतुबंध (प्रथम अश्वास) श्रीनाथ पब्लिकेशन, आरा (बिहार) 1997
4. भक्तामरसौरभ–बी.जैन पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 1997–98 ई0
5. पाइयकहाओ–संपादित–आदर्श साहित्य संघ, चूरू, 1994 ई0
6. तेरापंथ का राजस्थानी को अवदान–संपादित–जैन विश्वभारती संस्थान लाडनूं, 1993 ई0
7. प्राकृत–रूप–रचना कोष–ओरियण्टल पब्लिशिंग, न्यू चंद्रावल दिल्ली, 2002 ई0।
8. अश्रुवीणा–विस्तृत भूमिका एवं व्याख्या सहित (संपादित), जैन विश्वभारती 1998 ई0
9. आचार्य महाप्रज्ञ का युग को अवदान–जैन विश्वभारती संस्थान लाडनूं 1999ई0
10. आचार्य महाप्रज्ञ का संस्कृत साहित्य–जैन विश्वभारती संस्थान लाडनूं, 1999 ई0।
11. प्राकृत एवं जैनागम साहित्य 2000 ई0.
12. रत्नपालचरितम् विस्तृत भूमिका, व्याख्यादि सहित जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं, 2003.
13. प्राकृत कथाएं– जैन विश्वभारती, 2002 ई0
14. श्रीगुरुदेव (गुरु के महत्व का प्रतिपादक ग्रन्थ)
15. भक्ति पीयूष, धन्वन्तरी भवन, जरावत्तगढ़, 2003 ई0
16. पाइयकहाओ, द्वितीय संस्करण जैन विश्वभारती, 2005 ई0
17. शितशक्ति विमर्श, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2006 ई0
18. सेउवह महाकाव्य (सम्पूर्ण), शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2006 ई0
19. संस्कृत व्याकरण, शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2007 ई.
20. अन्नपूर्णा स्तोत्र शैली वैज्ञानिक अध्ययन 2008 ई.
21. छन्द मीमांसा– भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी 2011 ई0
22. जैनवाङ्मय में अष्टमङ्गल– जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय लाडनूं राज. 2012.
23. सनातन मङ्गल जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय 2012
24. जैनागमों में भारतीय कला– सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय 2012
25. महाप्राण गुरुदेवशैली वैज्ञानिक अध्ययन– जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय लाडनूं 2012.

26 भक्तामर स्तोत्र का समीक्षात्मक अध्ययन– सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय 2016

27 भक्तामर स्तोत्र– सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय 2016

28. मुकुलम् (व्याख्या)– सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय 2016

29 कुलगीत का शैली वैज्ञानिक अध्ययन–सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय 2017

30. प्राकृत भाषा विमर्श–प्राच्य विद्या भवन– 2017

31 जैनधर्म एवं आगम–प्राच्य विद्याभवन 2017

32 सहजानन्द महाराज जी– शारदा संस्कृत संस्थान 2017

(ग) शीघ्र प्रकाश्य ग्रंथ– 08

1 अलंकार चिन्तन

2 सौन्दर्य–पर्याय विमर्श

3 जैनार्द्धमागधी आगमों का काव्यशास्त्रीय परिशीलन

4 वरेण्यम् – अभिनन्दन ग्रंथ

5 श्री–अभिनन्दन ग्रंथ

6 Sramnya Sampat

7 पद्मनकार विमर्शः

8 काशी से सम्बद्ध देवों के 11 स्तोत्र

13. शोध निबन्ध प्रकाशित – 200

14. बृहद् परियोजना कार्य का विवरण–

(क) सम्पन्न पाँच

1. जैन अर्धमागधी आगमों का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन (यू.जी.सी. से स्वीकृत) बृहद् परियोजना 1977–2000 ई0।

2. आचार्य महाप्रज्ञ कृत रत्नपालचरितम् एवं मुकुलम् का संपादन, अनुवाद, व्याख्या, भूमिका आदि।

3. जैन अर्द्धमागधी साहित्य में भारतीय कला–यू.जी.सी. शोध पुरस्कार परियोजना– 2002–2005 सम्पन्न।

4. जैन वाङ्मय में अष्टमङ्गल–यू.जी.सी. 2006–2009 सम्पन्न

5. संस्कृत प्राकृत पालि में अहिंसा कार्य (Non violence in Sanskirt Prakrita and Pali) सम्पन्न (2010–13)

(ख) चल रहा है–

1. विश्वभाविनी अन्नपूर्णा–स्वतंत्र कार्य
2. महामृत्युंजय विमर्श ।
3. पञ्चागतत्त्व विवेचना
4. स्तोत्र of deities of Kashipuri
5. Appearance of SriGarudeva
6. अलखनिरञ्जनगुरुदेव
7. श्रीहनुमानचालिसा का शैली वैज्ञानिक अध्ययन

15. अध्यापन अनुभव 31 वर्ष (स्नातकोत्तर कक्षाओं में)

1. 01 जुलाई 1986 से 26 सितम्बर, 1991 तक स्नातकोत्तर संस्कृत–प्राकृत विभाग, मगध विश्वविद्यालय बोधगया में संस्कृत एवं प्राकृत (ऐच्छिक पत्र) का अध्यापन कार्य, यू.जी.सी. के अनुसंधायक के रूप में (पांच वर्ष)।
2. 28 सितम्बर 1991 से 24 फरवरी 1999 तक प्राकृत एवं जैनागम विभाग, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं में सहायक एवं 25 फरवरी 1999 से जन0 2005 तक रीडर के रूप में तथा 28 मार्च 2003 से विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत। 14 वर्ष
3. 24 जनवरी 2005 से प्राकृत एवं जैनागम विभाग सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष के रूप में कार्यरत।
4. 25 फरवरी 2007 से सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में आचार्य के रूप में कार्यरत।
5. 24 सितम्बर 2013 से 2016 तक संकायाध्यक्ष एवं तीन विभागों के अध्यक्ष रूप में कार्यरत।
6. 2006–2009 तक सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. इकाई के अन्तर्गत कार्यक्रम अधिकारी।
7. मार्च 2010 से 2016 तक एन.एस.एस कार्यक्रम समन्वयक।
8. मार्च 2010 से 2016 तक आर.आर.सी. का समन्वयक।

16. अनुसंधान का अनुभव

अध्यापन कार्य के साथ अनवरत अनुसंधानरत 31 वर्ष।

17. पी.एच.डी. कार्य सम्पन्न– 23

1. समणी स्थितप्रज्ञा–संबोधि का समीक्षात्मक अध्ययन, उपाधि प्राप्त, 1996 ई0।
2. साध्वी शुभ्रयशा–आयारो का आचार मीमांसात्मक अध्ययन, 2000 ई0।
3. साध्वी संचितयशा–तेरापंथ की साध्वी शिक्षा, 2000 ई0।
4. समणी सत्यप्रज्ञा– ज्ञातृधर्मकथा का समीक्षात्मक अध्ययन, 2001 ई0।
5. समणी शुभ्रप्रज्ञा–उपासकदशाध्ययन का समीक्षात्मक अध्ययन, 2001 ई0।
6. साध्वी योगक्षेमप्रभा–जैनदर्शन में द्रव्य की अवधारणा, 2003 ई0।
7. साध्वी पीयूष प्रभा–आचारचूला और निशीथःएक आलोचनात्मक अध्ययन, 2003 ई0
8. श्रीमती तारा डागा–भगवती सूत्र का दार्शनिक अध्ययन, 2002 ई0।
9. समणी अमित प्रज्ञा उत्तराध्ययन का शैली वैज्ञानिक अध्ययन, 2002 ई0।
10. समणी सबोधप्रज्ञा–जैन आगम में आत्मा, 2002 ई0।
11. साध्वी निर्मलयशा–तेरापंथ को आचार्य तुलसी का योगदान, 2004 ई0।
12. समणी उज्ज्वल प्रज्ञा–योगशास्त्र और पातञ्जल योग सूत्र का तुलनात्मक अध्ययन– 2006 ई0।
13. साध्वी सम्पूर्णयशा– वैदिक और जैन भक्ति– 2007 ई0।
14. सत्यनारायण भारद्वाज–प्राकृत–संस्कृत के खण्डकाव्य साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अनुशीलन 2007.
15. समणी संगीतप्रज्ञा–आचार्य महाप्रज्ञ का स्तोत्र साहित्य 2007 ई0
16. मुनि विनोद कुमार, भारतीय वाङ्मय में ब्रह्मचर्य, 2008 ई0।
17. दीपाली कुलश्रेष्ठ–जैन एवं स्मृति साहित्य में श्रावकाचार– 2009
18. सुनीला नन्द नाहर–ऋषभायण में बिम्ब विधान 2011
19. ओम प्रकाश त्रिपाठी– शिक्षा विमर्शः
20. त्र्यम्बक नाथ पाण्डेय– मृच्छकटिकस्य पात्राणां भाषादृष्ट्या समीक्षात्मकमध्ययनम्।
21. जगपाल शर्मा–कालिदासग्रंथेषुनारी रूपविमर्शः
22. राधारानी–कालिदासीय प्राकृत गत बिम्ब प्रयोगविमर्श
23. अमित कुमार–प्राकृतवाङ्मये मानवाधिकारः

18. डी.लिट्– 2

1. डा0 मनोजकुमार चतुर्वेदी–भागवतपीयूष 2016
2. डा0 श्रीनिवास तिवारी–भारतीय वाङ्मय में हनुमान– 2017

19 लघुशोध प्रबंध (एम.ए. कक्षा कक्षा अष्टम पत्र के लिये) का निर्देशन— 14

1. समणी स्थित प्रज्ञा—जैन दर्शन में जीव की अवधारणा, 1994—1995
2. समणी ज्योतिप्रज्ञा—मृच्छकटिक एक सांस्कृतिक अनुशीलन, 1994—1995
3. समणी मलयप्रज्ञा—दशवैकालिक का दार्शनिक अनुशीलन, 1994—1995
4. समणी प्रशमप्रज्ञा—प्रश्न व्याकरण में संवर का स्वरूप, 1994—1995
5. श्री सुरेश कुमार मिश्र— मृच्छकटिक में बिम्ब योजना, 1994—1995
6. समणी प्रसन्नप्रज्ञा—कर्पूरमंजरी का सौन्दर्य शास्त्रीय विवेचन, 1995—1996
7. समणी सरोजप्रज्ञा—णायकुमार चरिउ में बिम्ब विमर्श, 1995—1996
8. समणी काव्यप्रज्ञा—प्रश्न व्याकरण में अहिंसा, 1996—1996
9. समणी मुक्तिप्रज्ञा—द्रव्य संग्रह का समीक्षात्मक अध्ययन, 1996—1997
10. मुमुक्षु समता—प्रश्न व्याकरण में ब्रह्मचर्य का स्वरूप, 1996—1997
11. श्रीनन्द जी पाण्डेय, गउडवहो के स्तोत्रों का पौराणिक संदर्भ 1997—1998
12. समणी रश्मिप्रज्ञा आचारांग में पर्यावरण, 1997—1998
13. समणी सुधाप्रज्ञा—जैनदर्शन में साध्वाचार, 1998—1999
14. श्री राकेशमणि त्रिपाठी—उपनिषद् और आचारांग में आत्मा, 1999—2000 ई0

20. विद्या परिषद की सदस्यता

1. अखिल विश्व संस्कृत परिषद्
2. अखिल भारतीय विद्या परिषद्
3. अखिल भारतीय गांधी सेमिनार
4. विश्व संस्कृत सम्मेलन

21. प्राकृत पाठ्यक्रम मण्डल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अमजेर राजस्थान का पूर्व सदस्य
22. विभिन्न विश्वविद्यालयों के परीक्षा मण्डल का सदस्य
23. विभिन्न विश्वविद्यालयों में परीक्षक
24. अनेक सेमिनार, संगोष्ठियों में सहभागिता तथा आयोजन।

(प्रो0 हरिशंकर पाण्डेय)
+91-9451885545
+91-6306680593